हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

00265

सत्रांत परीक्षा

जून, 2018

एम.एच.डी.-11 : हिन्दी कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) हिरामन का बहुत प्रिय गीत है यह । महुआ घटवारिन गाते समय उसके सामने सावन-भादों की नदी उमड़ने लगती है; अमावस्या की रात और घने बादलों में रह-रहकर बिजली चमक उठती है । उसी चमक में लहरों से लड़ती हुई बारी-कुमारी महुआ की झलक उसे मिल जाती है । सफरी मछली की चाल और तेज़ हो जाती है । उसको लगता है, वह ख़ुद सौदागर का नौकर है । महुआ कोई बात नहीं सुनती । परतीत करती नहीं । उलटकर देखती भी नहीं । और वह थक गया है, तैरते-तैरते । ...

(ख) जिस बात की उसे आशंका थी वही हुआ । शायद रात की सारी रिपोर्ट चीफ साहब के पास पहुँच गयी थी । चपरासी ने साहब के कमरे का द्वार खोलकर उसे उनके सामने पहुँचा दिया, फिर द्वार पूर्ववत बन्द हो गया । साहब ने अपने हाथों से स्टूल उठाकर उसके बैठने के लिए आगे बढ़ा दिया और नर्मी से बोले, "हम तुम्हारी भलाई के लिए ही कह रहे हैं । ज़माना बुरा है । बाल-बच्चों वाले आदमी को ऐसी बातों में नहीं पड़ना चाहिए ।"

(ग) पर संजय को कैसे समझाऊँ यह सब ? कैसे उसे बताऊँ कि निशीथ ने मेरा अपमान किया है, ऐसा अपमान, जिसकी कचोट से मैं आज भी तिलमिला रही हूँ । सम्बन्ध तोड़ने से पहले एक बार तो उसने मुझे बताया होता कि आख़िर मैंने ऐसा कौन-सा अपराध कर डाला था, जिसके कारण उसने मुझे इतना कठोर दण्ड दे डाला । सारी दुनिया की भर्त्सना, तिरस्कार, परिहास और दशा का विष मुझे पीना पड़ा... विश्वासघाती ! नीच कहीं का ! ... और संजय सोचता है कि आज भी मेरे मन में उसके लिए कोई कोमल स्थान है ! छि: ! मैं उससे नफ़रत करती हूँ ! और सच पूछो तो अपने को भाग्यशालिनी समझती हूँ कि मैं एक ऐसे व्यक्ति के चंगुल में फँसने से बच गई, जिसके लिए प्रेम एक महज खिलवाड़ है ।

(घ) अगली सुबह सावित्री घर में नहीं थी और राजदेव को लग रहा था, हथेली के वे आँसू सूखे नहीं हैं । वह जगह अभी भी भीगी हुई है । वह बार-बार उस स्थान को अपनी आँखों से स्पर्श कराता और भावुक हो जाता । अपने बाल नोंचता और फुसफुसाता, 'मैं पापी ... मैं पापी... ।' वह अपने कमरे में घुसता तो सूना महसूस करता । हालाँकि सभी कुछ उसी तरह था, केवल एक बक्सा नहीं था पर लगता ऐसा था कि कमरे की छत कुछ नीचे खिसक आई है और कोई दीवार कम हो गई है । वह तकिए में मुँह छिपाकर लेट गया ।

2. 'तीसरी कसम' का मूल्यांकन कीजिए । *10*

3. 'नई कहानी' आन्दोलन का मूल्यांकन करते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित कीजिए । *10*

4. 'हंसा जाई अकेला' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए । *10*

5. 'बहिर्गमन' की अन्तर्वस्तु को रेखांकित कीजिए । *10*

6. 'एक जीता-जागता व्यक्ति' के कथ्य और शिल्प का विवेचन कीजिए । *10*

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) कथाकार अखिलेश

(ख) दलित सौन्दर्यशास्त्र और 'सिलिया'

(ग) साठोत्तरी कहानी

(घ) 'राजा निरबंसिया' का कथ्य